अंक – बीस Volume - 20

E-Gyan

Monthly Digital News Letter of Maharishi Organizations - India

महर्षि संवत्सर – ५६ विक्रम संवत्सर – २०६७ फाल्गुन कृष्ण पक्ष ४, सोमवार २१ फरवरी २०११

• E-mail - egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com • Web site - www.e-gyan.net 21 February, Monday 2011

महर्षि ज्ञान युग दिवस समारोह

महर्षि विश्व शान्ति की वैश्विक राजधानी
भारत का भौगोलिक केन्द्र–ब्रह्मस्थान करौंदी
दिनांक 12 जनवरी 2011

अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु श्री शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर श्री स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज,

ज्ञान युग, राम–राज्य एवं विश्व शांति के प्रवर्तक विश्व विख्यात ब्रह्मलीन परमपूज्य महर्षि महेश योगी जी का जन्म दिवस 12 जनवरी, ज्ञान युग दिवस के रूप में भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में मनाया गया। मुख्य आयोजन भारत के भौगोलिक केन्द्र जबलपुर के करौंदी स्थित ब्रह्मस्थान में हुआ। इस भव्य समारोह में अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु श्री शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर श्री स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं महर्षि विश्व शांति की वैश्विक राजधानी–ब्रह्मस्थान के महानिदेशक ब्रह्मचारी (डॉ.) गिरीश जी, महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के प्रतिनिधि राजा हैरिस केपलान, राजा डॉ. पॉल पॉटर, राजा शॉन हरमन, प्रधानमंत्री डॉ. बैवन मोरिस, अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री मेजर जनरल कुलवंत सिंह, अंतर्राष्ट्रीय उप–सुरक्षामंत्री कर्नल गुंटर चेसे, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के कुलपति बिग्रेडियर बलराम सिंह मेहता, महर्षि शिक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. प्रकाश जोशी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सभी सदस्यों सहित विभिन्न महर्षि संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी सम्मिलित थे।

समारोह का प्रारंभ वैदिक राष्ट्रगीत, शंकराचार्य महाराज जी के पादुकापूजन एवं वैदिक पंडितों द्वारा भगवान विष्णु का पूजन कर प्रारंभ किया गया।

भारत के भौगोलिक केन्द्र करोंदी स्थित ब्रह्मस्थान के विशाल ''पतंजलि साधना भवन'' में आयोजित मुख्य समारोह में अनन्त श्री विभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य ज्योतिष्पीठाधीश्वर श्री स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज ने महर्षि महेश योगी की साधना और सिद्धांतों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने समारोह में उपस्थित

महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी (डॉ.) गिरीश जी, शंकराचार्य महाराज जी की पादुका का पूजन करते हुये

देश–विदेश के भक्तों, साधकों, आचार्यों और विद्यार्थियों को आर्शीवचन देते हुए कहा कि विद्या, योग, ध्यान और गुरु–शिष्य परम्परा को देश–विदेश में स्थापित करने का श्रेय महर्षि महेश योगी जी को ही जाता है। यह परंपरा देश–विदेश में फैली और एक सिद्धांत बनी। शंकराचार्य जी ने बताया कि महर्षि जी ने संपूर्ण विश्व में गुरुदेव की सनातन परंपरा का ध्वज फहराया और अपने गुरु को लोक पूजित बनाया।

शंकराचार्य जी ने समस्त उपस्थित विश्व शांति राष्ट्र के प्रतिनिधि राजाओं एवं जनसमूह को बताया कि भगवान आदिशंकराचार्य ने भारत में वेद को प्रतिस्थापित करने के लिये चार पीठों की स्थापना की किन्तु यहां पर यह कहना अतिश्योक्ति नही होगी कि ब्रह्मलीन महर्षि महेश योगी जी ने अकेले ही सम्पूर्ण विश्व में वेद–विज्ञान को प्रतिस्थापित किया जो कि चारों पीठों के शंकराचार्य भी मिलकर नहीं कर सके।

ज्ञान युग दिवस पर अपने आर्शीवचन के बाद शंकराचार्य जी ने कहा कि अयोध्या में शीघ्र ही भव्य राम मंदिर का निर्माण होगा।

मंच पर विराजमान महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के प्रतिनिधि राजागण

शंकराचार्य जी के आगमन पर उपस्थित सैकड़ों वेदाचार्यों और पंडितों ने वेद–मंत्रोच्चार के साथ उनका स्वागत किया। शंकराचार्य जी के सिहासन पर बैठने के बाद ब्रम्हचारी गिरीश जी ने पादुका पूजन कर उनकी आरती उतारी।

समारोह में उपस्थित महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के प्रतिनिधियों ने भावातीत ध्यान को विश्व के हर कोने में पहुंचाने का संकल्प लिया। सभी लोग समारोह से अभिभूत थे। इस अवसर पर विश्व शांति राष्ट्र के राजा डॉ. हैरिस केपलान ने कहा कि महर्षि जी का जन्म दिवस हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि महर्षि जी ने पूरे संसार में भ्रमण कर अजेयता को स्थापित करने के प्रयास किए। शंकराचार्य जी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हम इस अवसर पर उपस्थित होकर गर्व का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि जी ने एक संदेश भावातीत ध्यान के माध्यम से दुनिया को दिया, जिसमें परमानंद और शांति है, जो चेतना की सर्वोत्तम अवस्था है। संसार के सभी कष्टों का निवारण इसमें ही निहित है। विश्व में ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसका हल महर्षि जी के ज्ञान के माध्यम से नहीं निकाला जा सकता। भावातीत चेतना एक महान चमत्कार है, जो हर समस्या को हल कर सकता है चाहे वह व्यक्तिगत स्तर पर हो, सामाजिक स्तर पर हो, राष्ट्रीय स्तर पर हो या वैश्विक स्तर पर हो।

इस अवसर पर महर्षि जी का एक वीडियो भी दिखाया गया। महर्षि जी ने बताया कि समस्त मानव जाति की समस्याओं का निराकरण भावातीत ध्यान के माध्यम से किया जा सकता है। चेतना की इस अवस्था में शुद्ध ज्ञान की प्राप्ति के माध्यम से ज्ञान की समस्त विद्याओं में विशेषज्ञता प्राप्त की जा सकती है।

महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के प्रधानमंत्री डॉ. बैविन मोरिस, महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर जनसमूह को सम्बोधित करते हुये

विश्व शांति राष्ट्र के प्रधानमंत्री डॉ. बैविन मोरिस ने इस अवसर पर महर्षि जी के संदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि महर्षि जी ने भावातीत ध्यान के माध्यम से मानव

जाति के लिए समस्त अनुभवों के द्वार खोल दिए हैं। डॉ. मोरिस ने बताया कि प्राकृतिक नियम की सम्पूर्ण ऊर्जा का प्रयोग इस ज्ञान के माध्यम से किया जा सकता है और यह ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तांतरित किया जा सकता है। इसके माध्यम से समस्त विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है और व्यक्ति शुद्ध ज्ञान के द्वारा पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने शंकराचार्य जी का स्वागत करते हुए कहा कि हम सब पर उनका आशीष बना रहे।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर संगीत कार्यक्रम की प्रस्तुति

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में महर्षि गंधर्ववेद, सितार व शहनाई वादन हुआ। इस अवसर पर संगीत चूड़ामणि पद्मभूषण पंडित देवव्रत चौधरी, उनके पुत्र व शिष्य प्रतीक चौधरी ने सितार वादन और पंडित दयाशंकर एवं उनके शिष्य योगेश शंकर ने शहनाई वादन किया। तबले पर संगति पंडित अनूप घोष और डुक्कड़ पर संगति श्री मणिपाल ने की।

महर्षि ज्ञान युग दिवस समारोह का सीधा प्रसारण महामीडिया एवं रामराज टी.वी. के माध्यम से भारत समेत विश्व के सौ से अधिक देशों में किया गया।

ज्योतिष्पीठाधीश्वर, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज

ज्योतिष्पीठाधीश्वर, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज का अभिनंदन करते हुये महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के प्रतिनिधि राजा डॉ. पॉल पॉटर

ज्योतिष्पीठाधीश्वर, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज का अभिनंदन करते हुये महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के उपसुरक्षा मंत्री कर्नल गुंटर चेसे

ज्योतिष्पीठाधीश्वर, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज का अभिनंदन करती हुई महर्षि विश्व शांति राष्ट्र की प्रतिनिधि

ज्योतिष्पीठाधीश्वर, शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज का अभिनंदन करती हुई महर्षि विश्व शांति राष्ट्र की प्रतिनिधि

महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के प्रतिनिधि राजा हैरिस केपलान महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर जनसमूह को सम्बोधित करते हुये

वेद–मंत्रोच्चार करते हुये वैदिक पंड़ित और वेदाचार्य

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर उपस्थित महर्षि विद्या मंदिर समूह के उपाध्यक्ष डॉ. प्रकाश जोशी एवं अन्य विशिष्ट अतिथिगण

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर उपस्थित महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के निदेशक मंडल के सदस्य एवं जबलपुर जनपद के नागरिकगण

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर उपस्थित महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के निदेशक मंडल के सदस्य एवं जबलपुर जनपद के नागरिकगण

महर्षि ज्ञान युग दिवस समारोह

महर्षि विद्या मन्दिर एवं महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, जबलपुर के प्रशासनिक परिसर में दिनांक 12 जनवरी 2011 को महर्षि ज्ञान युग दिवस समारोह का आयोजन

मंच पर विराजमान महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं अन्य विशिष्ट अतिथिगण

ज्ञान युग, राम–राज्य एवं विश्व शांति के प्रवर्तक विश्व विख्यात ब्रम्हलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी का जन्म दिवस 12 जनवरी, ज्ञान युग दिवस के रूप में भारत सहित दुनिया के कई देशों में मनाया गया। समारोह में महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलाधिपति, महर्षि विश्व शांति की वैश्विक राजधानी–ब्रह्मस्थान के महानिदेशक एवं महर्षि विद्या मन्दिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी (डॉ.) गिरीश जी, महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के प्रतिनिधि राजा हैरिस केपलान, महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री मेजर जनरल कुलवंत सिंह, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के कुलपति बिग्रेडियर बलराम सिंह मेहता, महर्षि शिक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ. प्रकाश जोशी एवं महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के निदेशक मंडल के सभी सदस्यों सहित विभिन्न महर्षि संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। ज्ञान युग दिवस समारोह में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति प्रो. रामराजेश मिश्रा एवं जबलपुर संभागायुक्त प्रभात पाराशर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

समारोह का प्रारंभ वेद–पाठ, गुरुपूजन, सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत से किया गया। समारोह में जबलपुर जनपद के गणमान्य नागरिक, राजनेता, समाज सेवक, अभिभावक एवं लगभग 5000 दर्शक उपस्थित थे।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी जी ने कहा कि शिक्षा देने वाले तो बहुत से संस्थान है, लेकिन महर्षि विद्या मंदिर ही एक मात्र ऐसा संस्थान है, जहां शिक्षा के साथ संस्कार भी दिए जाते हैं। इसलिए मेरी उम्मीद और अपेक्षा है कि महर्षि विद्या मंदिर को भारत के हर जिले में कम से कम एक शाला खोलनी चाहिए, ताकि भारत के हर बच्चे की चेतना जाग्रत हो सके। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय के विशाल भवन एवं प्रांगण की भी प्रशंसा की।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर जनसमूह को सम्बोधित करते हुये माननीय अध्यक्ष, मध्य प्रदेश, विधानसभा, श्री ईश्वरदास रोहाणी

उन्होंने महर्षि महेश योगी जी को ऐसा महान विद्वान बताया, जिन्होंने पूरे विश्व से वेदों का लोहा मनवाया। उन्होंने कहा कि महर्षि जी ने जो संस्कार और विरासत

समाज को सौंपी, वह उन्हें सदैव जीवित रखेगी। दुनिया के सबसे पहले और प्राचीन विश्वविद्यालय नालंदा और तक्षशिला का वर्णन करते हुए श्री रोहाणी ने कहा कि शिक्षा की राह भारत ने दुनिया को दिखाई है। आज हम विदेश से शिक्षा लेने की बात करते हैं। श्री रोहाणी ने कहा कि भावातीत ध्यान एकमात्र आशा की किरण है, जो भारत को विश्व नेतृत्व की शक्ति प्रदान कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारत के हर शिशु की चेतना पर भावातीत ध्यान प्रकट हो, ऐसी आशा व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की चेतना में वह शक्ति है, जिससे वह भावातीत ज्ञान ग्रहण करके उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है।

ज्ञान युग दिवस के अवसर पर कुलाधिपति ब्रम्हचारी गिरीश जी ने कहा कि महर्षि महेश योगी का जन्म दिवस केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उनके प्रति अपना समर्पण बताने का महोत्सव है। महर्षि महेश योगी ने हजारों बरसों से बिखरे वैदिक वांगमय को व्यवस्थित किया और उसका महत्व विश्व को समझाया। उन्होंने कहा कि महर्षि महेश योगी ने 124 देशों में ज्ञान की विद्याओं को पुनर्स्थापित किया है। यह वैदिक वांगमय वेदों का परिवार है। भावातीत ध्यान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि भावातीत ध्यान तनाव और समस्त दुःखों का समाधान है। इसके जरिए हर दुःख दूर हो सकता है, चाहे वह व्यक्ति का कष्ट हो, समाज का या राष्ट्र का। इसके माध्यम से समाज समस्या विहीन हो सकता है। इसी के माध्यम से सम्पूर्ण समाज, राष्ट्र और विश्व के लिए अजेयता संभव है।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर जनसमूह को सम्बोधित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी

उन्होंने कहा कि आज किसी भी बच्चे से पूछो तो कोई कहता है डॉक्टर बनना है, कोई आईएएस और कोई इंजीनियर बनना चाहता है। ब्रम्हचारी गिरीश जी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि– आप वैदिक विश्व प्रशासन के क्षेत्र में आऐं। यहां आपको भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसरों से भी अधिक वेतन और सुविधा मिलेगी। उन्होंने निशुल्क वैदिक शिक्षा की घोषणा करते हुए कहा कि महर्षि विद्या मंदिर से 12वीं कक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों को स्नातक से पीएचडी, डीलिट तक निशुल्क वैदिक और प्रशासन की शिक्षा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आप जितना वैदिक दिनचर्या का पालन करेंगे, उतने ही सुखी और आनंदित होंगे। उन्होंने कहा कि आज की शिक्षा अपूर्ण शिक्षा है। छोटी कक्षाओं में सब पढ़ाया जाता है, लेकिन पिरामिड की तरह जैसे–जैसे ऊपर जाते हैं सब खत्म होता जाता है। ब्रम्हचारी गिरीश जी ने कहा कि कई लोग कहते हैं कि जीवन एक संघर्ष है, लेकिन ऐसा नहीं है। भारतीय दर्शन कहता है कि जीवन एक आनंद है। हर पल इसका अनुभव करो।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर जनसमूह को सम्बोधित करते हुये महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के राजा हैरिस केपलान

विश्व शांति राष्ट्र के राजा हैरिस केपलॉन ने कहा कि मेरे लिए यह बहुत गर्व की बात है कि मैं इस कार्यक्रम में आप लोगों के बीच हूँ। महर्षि महेश योगी जी ने संसार को जो दिशा दी, वह परमानंद की है। उन्होंने छात्रों को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि छात्र ही किसी भी संस्थान की आत्मा होते हैं। हर छात्र को यह सोचना चाहिए कि वह दुनिया का बहुत–बहुत

महत्वपूर्ण व्यक्ति है। महर्षि जी द्वारा बताए ज्ञान के माध्यम से छात्र अपने भविष्य का निर्माण कर सकते हैं और समाज के लिए बहु–उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. रामराजेश मिश्रा, महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर जनसमूह को सम्बोधित करते हुये

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. रामराजेश मिश्रा जी ने कहा कि कर्ममार्ग, ज्ञानमार्ग और भक्तिमार्ग तीन रास्ते हैं, जो अपने भीतर प्रवेश का जरिया है। इन मार्गों को महर्षि संस्थान ने बहुत अच्छे तरीके से कायम रखा है। उन्होंने कहा कि महर्षि महेश योगी जी ने व्यक्ति को अपने भीतर की चेतना जागृत करने का मार्ग बताया। मौजूदा उच्च शिक्षा में वैदिक शिक्षा को शामिल करने की वकालत करते हुए कुलपति ने कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय अलग–अलग स्थितियों में हैं। इन्हें भावातीत ध्यान और योग के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी विश्वविद्यालय मिलकर एक समन्वय कार्यक्रम तैयार कर सकते हैं, जिसमें पांडुलिपि संग्रहण, ध्यान एवं योग आदि को शामिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि ध्यान एवं योग को लेकर काम होना चाहिए। ध्यान एवं योग तन के साथ मन को भी स्वस्थ रखता है।

महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के सुरक्षामंत्री मेजर जनरल कुलवंत सिंह ने कहा कि ध्यान–शांति का जो मार्ग महर्षि महेश योगी ने दिखाया, उसे विश्व भूल नहीं सकता। महर्षि जी ने दुनिया को शांति का वह मार्ग दिखाया है, जो व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और दुनिया को एक सूत्र में पिरोकर परमानंद की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि महर्षि जी का बताया भावातीत ध्यान दुनिया की सभी समस्याओं को खत्म कर सकता है।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के सुरक्षा मंत्री मेजर जनरल कुलवंत सिंह जनसमूह को सम्बोधित करते हुये

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य पूर्ण ज्ञान को प्राप्त करना है। महर्षि जी ने सिद्ध किया कि व्यक्ति की चेतना में कैसे ज्ञान को जागृत किया जाए। ऐसा तभी हो सकता है, जब भारत और संसार का हर बच्चा जीवन परक शिक्षा प्राप्त करे।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा जनसमूह को सम्बोधित करते हुये

भावातीत ध्यान बताता है कि जीवन परक शिक्षा का आधार व्यक्ति की चेतना ही है। उन्होंने कहा कि इस भावातीत ज्ञान को प्राप्त करने में हम अभी नहीं चेते, तो आने वाले समय में विदेश के लोग इसी ज्ञान को भारत को सिखाएंगे। उन्होंने आव्हान किया कि शांत चेतना में योग की शिक्षा प्रत्येक छात्र को मिलना चाहिए। उन्होंने स्मरण करते हुए कहा कि महर्षि जी कहा करते थे कि ''विश्व विजय करके दिखलायें, तब होवे प्रण पूर्ण हमारा''। इसलिए पूरे विश्व में इसी ज्ञान के आधार पर ही शांति लाई जा सकती है।

इस अवसर पर देशभर के महर्षि विद्या मंदिर स्कूलों के श्रेष्ठ प्राचार्य, शिक्षक एवं प्रतिभावान् विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों के प्रचार्यों को पुरस्कारों एवं प्रशस्ति पत्रों से सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर फतेहपुर के प्राचार्य अनिल मिश्रा को सर्वश्रेष्ठ प्राचार्य चुनते हुए इंडिका कार पुरस्कार स्वरूप दी गई। सीनियर सेकेण्डरी स्कूल प्राचार्य श्रेणी में बिलासपुर की रीना सिंह और गुवाहाटी की पांचाली राय को लैपटॉप दिया गया। सेकेण्डरी स्कूल प्राचार्य श्रेणी में हैदराबाद की वसन्थी परशुरामन, भंडारा की श्रुति ओहले को ए.सी. और असम गुवाहाटी की अजंता दास को एलसीडी प्रोजेक्टर पुरस्कार में दिया गया। बालाघाट के शिक्षक वासुदेव भूते को शिक्षक श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। समारोह में प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर महर्षि विद्या मन्दिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी, राजा हैरिस केपलॉन और सुरक्षामंत्री कुलवंत सिंह एवं महर्षि विद्या मन्दिर समूह के निदेशक मण्डल के सभी सदस्यों ने संस्थान की वार्षिक पत्रिका ज्ञान–2011 का विमोचन किया।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर वार्षिक पत्रिका ''ज्ञान'' का विमोचन करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी, महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के राजा हैरिस केपलान एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह निदेशक मंडल के सदस्य

ज्ञान युग दिवस के अवसर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय एवं महर्षि विद्या मंदिर स्कूल के नए ऑनलाइन पोर्टल एवं सॉफ्टवेयर का विमोचन भी हुआ। इसके आरंभ होने से प्रवेश, परीक्षा, अंकसूची और अन्य सभी शैक्षिक जानकारियां ऑनलाइन हो जाएंगी। यह सॉफ्टवेयर देशभर के महर्षि विद्या मंदिर स्कूलों को एक प्लेटफार्म पर ऑनलाइन कर देगा। इससे किसी भी महर्षि विद्या मंदिर स्कूल का विद्यार्थी ऑनलाइन ही प्रवेश फार्म भर सकेगा और ऑनलाइन परीक्षा परिणाम देख सकेगा।

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय ऑनलाइन पोर्टल एवं साफ्टवेयर का विमोचन करते हुये महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के राजा हैरिस केपलान

समारोह के द्वितीय चरण में महर्षि विद्या मन्दिर जबलपुर की सभी शाखाओं के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। प्राणी में स्थित सनातन भाव को प्रकट करते हुए नृत्य प्रस्तुत किया गया। माँ सरस्वती शारदे.....गुरु चरण बलिहारी....., हे कृपा निधान. ....की प्रस्तुति कर वेद पाठ, गुरु की महिमा का महत्व बताया। इन प्रस्तुतियों के साथ–साथ भरतनाट्यम, कत्थक और फ्यूजन का मिश्रित स्वरूप भी देखने को मिला, जिसमें छात्रों ने अपनी कला के द्वारा जनसमूह को अपनी प्रस्तुति से सम्मोहित कर दिया। बाल गायक एवं संगीतकारों ने भी सुर और साज का खूबसूरत संगम किया।

माननीय अध्यक्ष, मध्य प्रदेश विधानसभा, श्री ईश्वरदास रोहणी का स्वागत एवं तिलक करती हुई महर्षि विद्या मंदिर की छात्रा

डॉ. प्रकाश जोशी, उपाध्यक्ष, महर्षि शिक्षा संस्थान, भारत का स्वागत एवं तिलक करती हुई महर्षि विद्या मंदिर की छात्रा

महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी गुरु पूजन करते हुये

माननीय अध्यक्ष, मध्य प्रदेश विधानसभा, श्री ईश्वरदास रोहाणी दीप प्रज्वलन करते हुये

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के राजा हैरिस केपलान एवं सुरक्षा मंत्री मेजर जनरल कुलवंत सिंह दीप प्रज्वलन करते हुये

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. रामराजेश मिश्रा, को सम्मानित करते हुये डॉ. टी. सी. पाठक, निदेशक, संचार एवं जनसंपर्क, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह

जबलपुर संभागायुक्त श्री प्रभात पाराशर को सम्मानित करती हुई महर्षि विद्या मंदिर, जबलपुर की प्राचार्या श्रीमती ममता भट्टाचार्या

महर्षि विद्या मंदिर समूह के उपाध्यक्ष डॉ. प्रकाश जोशी का अभिनन्दन करते हुये श्री यतीश सक्सेना

महर्षि विद्या मंदिर, फतेहपुर के प्राचार्य श्री अनिल कुमार मिश्रा को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, फतेहपुर के प्राचार्य अनिल कुमार मिश्रा को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, बिलासपुर की प्राचार्या श्रीमती रीना सिंह को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, गुवाहाटी की प्राचार्या श्रीमती पांचाली राय को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, हैदराबाद की प्राचार्या श्रीमती वासन्ती परशुरामन को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, भंडारा की प्राचार्या श्रीमती श्रुति ओहाले को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, गुवाहाटी की प्राचार्या श्रीमती अजंता दास को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, बालाघाट के शिक्षक श्री वासुदेव भूते को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य श्री सी. डी. शर्मा जी पुरस्कृत छात्रों के प्रतिनिधि के रूप में महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी से पुरस्कार ग्रहण करते हुए

महर्षि विद्या मंदिर के शिक्षकों को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर, के छात्रों को सम्मानित करते हुये महर्षि विद्या मंदिर समूह के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी एवं महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य

महर्षि विद्या मंदिर समूह के ऑनलाइन सॉफ्टवेयर का विमोचन करते हुये महर्षि विश्व शांति राष्ट्र के सुरक्षा मंत्री मेजर जनरल कुलवंत सिंह

महर्षि ज्ञान युग दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुई महर्षि विद्या मंदिर की छात्रायें

महर्षि ज्ञान युग दिवस सामारोह में उपस्थित महर्षि विद्या मंदिर समूह के निदेशक मंडल के सदस्य, विशिष्ट अतिथिगण एवं गणमान्य नागरिक

महर्षि ज्ञान युग दिवस के सामारोह में उपस्थित महर्षि विद्या मंदिर की प्राचार्या, शिक्षक एवं जबलपुर जनपद के गणमान्य नागरिक

महर्षि ज्ञान युग दिवस सामारोह में उपस्थित महर्षि विद्या मंदिर के विद्यार्थी

अभिलाषा

उठो युवा बन जाओ विश्व प्रशासक
महर्षि चाहते सब ज्ञानवान हो जाओ....
अपने शरीर में ईश्वर का रूप निरख लो
बड़ी सहजता से तुम आत्मवान हो जाओ
महर्षि चाहते सब ज्ञानवान हो जाओ
उठो युवा बन जाओ विश्व प्रशासक
महर्षि चाहते सब ज्ञानवान हो जाओ....
अपने अंदर आनन्द लहरियों को लहराओ
वैदिक ज्ञान से पूर्ण रूप पा जाओ
महर्षि चाहते सब ज्ञानवान हो जाओ
उठो युवा बन जाओ विश्व प्रशासक
महर्षि चाहते सब ज्ञानवान हो जाओ....
सुख शांति मुक्त जीवन से सत्व बढ़ाओ
जो चाहो पा जाओ ऐसी अलख जगाओ
महर्षि चाहते सब ज्ञानवान हो जाओ,
उठो युवा बन जाओ विश्व प्रशासक
महर्षि चाहते सब ज्ञानवान हो जाओ....

डॉ. निलिम्प त्रिपाठी
आचार्य
महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय
जबलपुर (मध्यप्रदेश)

"पूज्य महर्षि जी"

खिला रहे आपका दिव्य ज्योति स्वरूप चमन
गुरुदेव हम करें तुम्हें नमन
पुण्य पवित्र भारत भूमि, की धरा पर तुम आए,
आपके दिव्य ज्ञान से हमने, मन के अंधकार मिटाए।
हम अज्ञानी लोगों के जीवन को, मिला ज्ञान का भंडार।
वे नर अभाग्यशाली, जो न पहुँचे तुम्हारे द्वार।
सहज, सरल, सुन्दर दिव्य विभूति तुम्हारे दर्शन,
गुरुदेव हम करें तुम्हें नमन।।
भावातीत ध्यान बतलाकर, दूर किया बहुविध तनाव।
योग एवं वैज्ञानिक विधि से, दूर किया बहुविध तनाव।
कारण का निवारण इसमें, मिट जाते सब मन के विकार।
नित्य नियमपूर्वक करके, मिल जाता है ब्रह्म विचार।।
गुरुदेव हम करें तुम्हें नमन।।
हे देव स्वरूप सुन्दर तुम, श्यामवर्ण उन्नत ललाट।
ईश स्वरूप परम पूज्य, खोलो हमारे ज्ञान के कपाट।।
प्रदान करो आध्यात्मिक शांति, जो जीवन की अंतिम अभिलाषा।
भटकी हुई है जीवन नाव हमारी, अब है आपकी पतवार की आशा।।
करो कृपा गुरुदेव हम पर, मिट जाए सब आवागमन।
गुरुदेव हम करें तुम्हें नमन।।
हम अकिंचन तुम हो दाता, क्यों फिर करते हो देरी।
अपने महर्षि परिवार के कल्याण की, कामना है मेरी।।
मैं कोई बड़ा कवि नहीं, जो लिख सकूँ आपकी महिमा।
सम्पूर्ण विश्व नत है आज, देखकर आपकी गरिमा।।
मैं अभिलाषी हूँ, फैलाए कीर्ति तुम्हारी कोटी जन।
गुरुदेव हम करें तुम्हें नमन।।

नरेन्द्र कुमार शर्मा
टी.जी.टी. (हिन्दी)
महर्षि विद्या मंदिर, बागेश्वर

Maharishi Center for Educational Excellence

MAHARISHI CENTER FOR EDUCATIONAL EXCELLENCE, BHOPAL
ANNUAL DAY CELEBRATION
"INDRADHANUSH"

Shri Adarsh Katiyar, I. P. S., Senior Superintendent of Police, Bhopal, lighting the lamp on the occasion of Annual Day Celebration "Indradhanush" on 23rd Jan. 2011

Maharishi Center for Educational Excellence, Lambakheda, Bhopal celebrated its Annual Day programme "Indradhanush" on 23rd January 2011 with great pomp & show. The Chief Guest of the programme was Shri Adarsh Katiyar, I. P. S., Senior Superintendent of Police, Bhopal. The Guest of honour was Shri G. D. Parmar, General Manager, Bank of Baroda. Chief guest Shri Katiyar appreciated programme and said that, "When a person is at a position of authority, then he has to be more responsible. The role of the youth is very important. Honesty, discipline and sincerity are the keywords for success in life." Special Guest Shri Parmar also praised the students' performance. Brig. G. S. Sandhu (Retd.), Director (P.&A.), Maharishi Vidya Mandir Schools Group was also present on the occasion. The Guests awarded the students who had shown extraordinary talent in various fields like education, sports, quiz, painting and other competitions. The main highlights of the show were the dance drama "Chadalika" by Rabindranath Tagore, "Narmada Avtaran", Rajasthani Folk Dance, followed by a Hindi Play "15 August Ki Vyatha". The show was a walk into the deep encrypted values of the school, with features like "Guru Vandana" and "Aditya Hridayam". A touch of innovation was the School Band who performed the "Critical Signature - A tribute to Parents". The tiny tots were not left behind in the celebration; they also put up attractive shows like "Kilkari- Frisky fruits and veggies" and "Dharohar - Nature's Bounty", which gives us an insight into the wealth of Nature.

Brig. G. S. Sandhu (Retd.), Director (P.&A.), Maharishi Vidya Mandir Schools Group honouring Shri Adarsh Katiyar, I. P. S., Senior Superintendent of Police, Bhopal

Smt. Suchitra Dutt, Principal, MCEE honouring Shri G. D. Parmar, General Manager, Bank of Baroda, Bhopal

The Principal reported various achievements and activities of the Schools that were held in the session.

The programme ended with vote of thanks and wished everyone a glorious and prosperous future.

Annual Day Celebration
Maharishi Center for Educational Excellence, Bhopal

CELEBRATIONS

MVM CHHATARPUR

GYAN YUG DIWAS CELEBRATION 12 JANUARY 2011
9 KUNDIYA HAWAN

Maharishi Vidya Mandir, Chhatarpur organised 9 Kundiya Hawan on the occasion of Birth Day of His Holiness Maharishi Mahesh yogi ji on 12th January 2011. The TM & Sidhi programme was conducted in the school in a group. The seminar on Science of creative intelligence was also organised to spread & familiarise the Principles of Science of creative intelligence.

Smt. Manisha Yadav, President Zila Panchayat, Chhatarpur as chief guest, Shri J. P. Pauranik, Principal Birangana Awantiwai Mahavidyalaya as guest of honour and Smt. Saroj Jain, Secretary, Pt. Devprabhakar Shastri Engineering Collage, Chhatarpur as special guest graced the occasion.

MAHARISHI GYAN CHETNA RALLY

On the occasion of Birth Day of His Holiness Maharishi Mahesh yogi ji in the subsequent sequence, a rally was organised by MVM, Chhatarpur (M.P.). The purpose of this rally was to spread the Maharishi's thoughts, Transcendental Meditation and Consciousness Based Education for the benefit of the society. The Chief Guest was Shri Pushpendra Pratap Singh, Vice President, State Bhartiya Janta Yuva Morcha.

महर्षि ज्योतिष की दृष्टि में – फरवरी माह

फरवरी माह, माघ कृष्ण पक्ष चतुर्दशी मंगलवार से प्रारम्भ होकर फाल्गुन कृष्ण पक्ष एकादशी सोमवार पर्यन्त रहेगा।

इस माह में पड़ने वाले व्रत एवं पर्व इस प्रकार हैं

मौनी अमावस्या – माघ मास की अमावस्या को मौनी अमावस्या के रूप में मनाया जाता है, इस अमावस्या को मौन व्रत रखना चाहिये, इसी लिये इसे मौनी अमावस्या कहते है। सृष्टि के संचालक मनु का जन्म भी इसी अमावस्या को हुआ था। यदि दिन भर मौन व्रत न हो सके तो प्रातः स्नान पर्यन्त तक मौन अवश्य रहना चाहिये मौन स्नान करके सूर्याघ्य देने के बाद मौन व्रत समाप्त कर लेने पर भी, मौनी अमावस्या के मौन व्रत का पुण्य फल मिलता है।

गुप्त नवरात्रि – माघ मास के शुक्ल प्रतिपदा दिनांक 4 फरवरी से नवदिन पर्यन्त 12 फरवरी तक के समय को शास्त्रों में गुप्त नवरात्रि बतलाया गया है। इस नवरात्रि में भी शक्ति उपासना का विधान शास्त्रों में वर्णित हैं। उत्तरायण सूर्य में यह प्रथम नवरात्रि है, इन नवदिनों में देवी की शक्ति की उपासना का विशेष फल बतलाया गया है। इस नवरात्रि के मध्य में पंचमी तिथि (दिनांक 8 फरवरी) को विद्या की अधिष्ठातृ देवी सरस्वती का प्रादुर्भाव माना गया है। जिसे वसन्त पंचमी के दिन सरस्वती पूजा के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन माँ सरस्वती की पूजा हर घर में करनी चाहिये। जिससे विद्या एवं ज्ञान का अभ्युदय होता है। तथा घर में सुख शान्ति समृद्धि का भंडारण होता है।

सूर्य सप्तमी या अचला सप्तमी – माघ शुक्ल सप्तमी को सूर्य सप्तमी, अचला सप्तमी, रथ सप्तमी इत्यादि नामों से जाना जाता है प्राणिमात्र की जीवन शक्ति को जीवित रखने वाले प्रत्यक्ष ईश्वर भगवान् सूर्य नारायण ने मन्वन्तर के आदि में, इसी दिन अपने आपको प्रकाशित किया था। अतः इसे सूर्य जयन्ती भी कहते हैं। इस दिन सूर्य भगवान् को गंगा जल से अर्घ्य देना चाहिये तथा रक्त पुष्प, दीपक, कपूर, धूप आदि से भगवान् सूर्य की पूजा स्तुति करनी चाहिये। ऐसा करने से शरीर में चर्मरोग आदि विकार नहीं होते हैं। ज्योतिष शास्त्र तथा विज्ञान में भी सूर्य का बड़ा महत्व है। जीवों तथा वनस्पतियों में जीवन प्रदान करने वाले देवता सूर्य ही माने जाते हैं। इस दिन सूर्य पुराण तथा आदित्यहृदय स्तोत्र का पाठ करना चाहिये।

माघी पूर्णिमा – माघ मास का महत्व शास्त्रों में बहुत अधिक बतलाया गया है, पूरे माघ मास प्रयाग में कल्पवास करके, त्रिवेणी स्नान करते हुये, इसी पूर्णिमा को माघ स्नान या कल्पवास का समापन होता है। इस पर्व पर गंगा स्नान करने से मनुष्य के भव–बाधा छूट जाते हैं, इस दिन भगवान् विष्णु का पूजन, पितरों का श्राद्ध तथा गरीबों को भोजन, वस्त्र, कम्बल, तिल, लड्डू, फल इत्यादि का दान करना चाहिये।

फरवरी माह में पड़ने वाले व्रत पर्व त्यौहारों की सूची

क्रमांक	व्रत–पर्व–त्यौहार	मास	पक्ष	तिथि	दिनाँक
1.	मास शिव रात्रि व्रत	माघ	कृष्ण	चतुर्दशी	01.02.2011
2.	मौनी अमावस्या	माघ	कृष्ण	अमावस्या	02.02.2011
3.	माघ अमावस्या	माघ	कृष्ण	अमावस्या	03.02.2011
4.	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी	माघ	शुक्ल	चतुर्थी	07.02.2011
5.	श्रीबसंत पंचमी	माघ	शुक्ल	पंचमी	08.02.2011
6.	रथ सप्तमी	माघ	शुक्ल	सप्तमी	10.02.2011
7.	भीष्माष्टमी	माघ	शुक्ल	अष्टमी	11.02.2011
8.	जया एकादशी	माघ	शुक्ल	एकादशी	14.02.2011
9.	भीष्म द्वादशी	माघ	शुक्ल	द्वादशी	15.02.2011
10.	प्रदोष व्रत	माघ	शुक्ल	त्रयोदशी	16.02.2011
11.	व्रत पूर्णिमा	माघ	शुक्ल	चतुर्दशी	17.02.2011
12.	माघी पूर्णिमा	माघ	शुक्ल	पूर्णिमा	18.02.2011
13.	संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी	फाल्गुन	कृष्ण	चतुर्थी	21.02.2011
14.	जानकी जयन्ती	फाल्गुन	कृष्ण	अष्टमी	25.02.2011
15.	विजया एकादशी	फाल्गुन	कृष्ण	एकादशी	28.02.2011

पंचक – दिनांक 03 फरवरी गुरुवार को रात्रि 2 बजकर 16 मिनट से प्रारम्भ होकर 08 फरवरी मंगलवार को रात्रि 1 बजकर 46 मिनट तक पंचक रहेगा।

मास प्रभाव – इस माह में खाद्यपदार्थों के मूल्य में वृद्धि का रुख रहेगा। ईधन के मूल्य में भी बढ़ोत्तरी संभावित है श्वेत खाद्यपदार्थ का संग्रह श्रेयस्कर होगा।

पश्चिमोत्तर राज्यों में राजनीतिक उपद्रव एवं भ्रष्टाचार की घटनायें होने की संभावनाये दिखेगीं।

इन सामाजिक बुराईयों से बचने या कमी लाने के लिये महर्षि भावातीत ध्यान एवं यज्ञ का आश्रय लेना श्रेयस्कर होगा।

जय गुरु देव, जय महर्षि

पण्डित हरिशरण मिश्र
ज्योतिषाचार्य

Maharishi Movement Global News

India: 4th World Ayurveda Congress - Ayurveda offers solution to healthcare

4 February 2011 - The theme of the fourth biennial World Ayurveda Congress--Ayurveda for all-shared the vision of Maharishi Mahesh Yogi to offer to everyone everywhere, ideal natural holistic healthcare, free from negative side effects. Government officials, health experts, and others at the conference felt that 'India's traditional system of medicine, particularly Ayurveda, held the answers for healthcare in India . . . [and also] the answers for the healthcare needs of the West and other parts of the world.'

New Consciousness-Based Education programmes, publications for students

19 February 2011 - The International Foundation of Consciousness-Based Education has developed numerous courses and programmes for expansion of Consciousness-Based Education around the world. Among plans for the coming year 2011 is the development of a rich, multi-faceted follow-up knowledge programme for schools and post-secondary institutions where students have learned the Transcendental Meditation Programme.

Raining new leaders of Consciousness-Based Education in every country

The Education has developed a course to train new leaders of Consciousness-Based Education in every country.

Offered to Yogic Flyers and Teachers of the Transcendental Meditation Programme, this 15-hour course introduces participants to knowledge, scientific research, and practical steps for implementing this ideal education, said Dr. Susan Dillbeck, President of the Foundation, speaking on 12 January 2011.

Those who attend become competent and confident in the full range of Consciousness-Based Education; they become leaders in Consciousness-Based Education, so that they can initiate and guide educational programmes, Dr. Dillbeck said.

Celebrating Total Knowledge: Bringing perfect health, peace, prosperity to every nation - Maharishi

8 February 2011 - On 8 February the Global Country of World Peace celebrated the day of Total Knowledge, wisdom, and enlightenment. The celebration, held at the International Capital of the Global Country in MERU, Holland, and the Global Capital of World Peace at the Brahmsthan (geographical centre) of India, featured special Vedic recitations by Maharishi Vedic Pandits in both locations. A great highlight was the video of a beautiful address by Maharishi Mahesh Yogi on this occasion in 2007.

Global 12 January celebrations: Designing a new destiny of all mankind - Maharishi

12 January 2011 - The global celebration of 12 January 2011 featured the conclusion of Maharishi Mahesh Yogi's historic address from 12 January 1980 on the structure of pure knowledge, the Veda, the total potential of Natural Law. 'We are in a very fortunate position to design a new destiny of all mankind,' Maharishi said, through probing deep in the structure of pure knowledge, which means probing deep in our own self. He outlined his programme to design 'packages of pure knowledge' to be distributed in all parts of the world, to enable everyone to become fully awake in pure knowledge, for complete fulfillment and success in life.

Global 12 January celebrations: Education to make the total potential of Natural Law available for everyone - Maharishi

12 January 2011 - The global celebration of 12 January 2011 continued to feature Maharishi Mahesh Yogi's historic address from 12 January 1980 on the structure of pure knowledge, the Veda, the field of total Natural Law. Maharishi presented the need for the awareness of everyone to be 'fully wide-awake' in pure knowledge, the total potential of Natural Law, so that it’s infinite organising power will serve their every intention, for maximum fulfillment in life and freedom from weakness and suffering. He also discussed plans to provide education to bring this knowledge to everyone in the world.

US: Maharishi University of Management to offer Master's in Educational Innovation

19 February 2011 - Next year, Maharishi University of Management (MUM), Fair field, Iowa, USA, will be offering a new graduate programme, a Master's in Educational Innovation, which will train current and aspiring teachers in principles of Consciousness-Based Education as well as advanced learning technologies.

New websites, programmes for women and girls offered by Global Mother Divine Organisation-USA

12 February 2011 - The Global Mother Divine Organization in the United States has developed two websites - **www.GMDOusa.org and www.TMWomenProfessionals.org** - and created an introductory lecture on the Transcendental Meditation Programme geared specifically for women and girls. Recent publications include brochures about the Mother/Baby health care programme, as well as programmes for American Indian women. New initiatives are being developed in areas including in-school and after-school programmes for girls; as well as for at-risk girls, women's minimum security prisons, and girls' sports teams.

UK: Transformations in national life through coherence-creating groups of meditators

13 January 2011 - In the past year, the United Kingdom has seen a series of 'very positive and extraordinary changes taking place very quickly' in many areas of national life-including dramatic decreases in crime and consumption of alcohol and cigarettes, establishment of a national 'happiness index', and rapid progress in developing renewable energy. These and other developments are part of worldwide trends reflecting rising coherence in collective consciousness, say leaders of the Global Country of World Peace in the UK-resulting from large groups of people practicing Transcendental Meditation and the advanced Transcendental Meditation Sidhi Programme.

Transcendental Meditation inspired new album: British pop singer Tim Burgess

British pop singer Tim Burgess learned the Transcendental Meditation Technique last year as part of a new, healthier lifestyle. 'I do it twice a day now. . . . I don't get fazed by hardly anything anymore,' he said in a recent interview. 'His newfound clarity led straight into productivity,' the San Francisco Examiner reported recently-he wrote most of his new album soon after learning the technique.

Launch of MahaMedia National Social Magazine

Dr. Girish Chandra Varma, the Chief Editor of MahaMedia Magazine has informed the editorial board of E-Gyan Monthly News Letter that “from April 2011 MahaMedia National Social Monthly Magazine is being launched. The exact date will be announced later when all preparations are done for first publication”.

Dr. Varma mentioned that “media, print or electronic has become very powerful in society but some how its not yet playing positive holistic role in overall development of the society. Lot of positive events take place every day which are not reported, rather negative news, crime etc is reported every where and highlight of the day. There is immediate need to enhance quality of individual, social and national life, to increase coherence in individual and collective consciousness, to bring awareness of useful knowledge of every area of life, which are generally not availabe to masses.

Education, health, agriculture, horticulture, forestry, religion, culture, internal and external defence of nation, science and technology, communication, finance, architecture, construction, housing, trade and commerce, employment opportunities, sports, business opportunities, law, order and justice, politics, rights and duties of citizens and various private and government bodies, global opportunities, difference unions, languages, ethnic unrest, terrorism, war, social media etc. are the main areas where society needs lot of information and proper guidance. MahaMedia will not only cover the news of all these subjects, but will also provide lot of information, guidance, positive and timely solutions to problems in every area of life”.

Dr. Varma said, “we have an ideal example of prevention oriented problem free nature’s government which functions without any mistake. Automation in Administration could only be learnt and copied from the Nature. The human being and governments on different levels constituted and governed by individuals with limited knowledge, intellect and boundaries are unsuccessful. Only Nature’s functioning is successful, unbounded, unparallel, ideal, integrated, problem free, mistake free, joy full, without any stress, strain and suffering. Nature is known for its full justice. MahaMedia will bring the awareness of nature’s functioning to all its readers”.

When asked if MahaMedia is a magazine for students, or politicians or for any specific target? Dr. Varma said “Yes, it’s a specific magazine for every human being, does not matter what age, sex, cast, religion, faith, believe, profession or country one is from”.

NEWS CLIPPINGS

सौजन्य से
पीपुल्स समाचार, जबलपुर
गुरुवार, 13 जनवरी 2011

पीपुल्स समाचार जबलपुर, गुरुवार 13 जनवरी 2011

iam JABALPUR Very Smart.

ज्ञान यज्ञ के रूप में मनाया गया महर्षि का जन्मोत्सव

'विजयंतेतराम'

सदा विजयी हो, आगे बढ़ते रहें, सूर्य के समान देश दुनिया में मानवता की सेवा करते हुए राष्ट्रभूमि का गौरव बढ़ाएं। स्वयं आगे बढ़ें और हर एक को आगे बढ़ाने का प्रयास करें। कुछ ऐसा ही 'विजयंतेतराम' का भावार्थ लिए सूरज की किरणों की तरह सदैव तेजस्वी और दैदिप्यमान रहने का संदेश विश्व को दिया गया। मौका महर्षि महेश योगी के जन्म दिवस का था। यह दिन महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय और अन्य संस्थाओं ने संयुक्त रूप से ज्ञानयुग दिवस के रूप में मनाया।

गुरुपरंपरा मंत्रोच्चार

इन्हें मिला सम्मान

अनिल मिश्रा फतेहपुर
रीना सिंह बिलासपुर
पांचाली रॉय गुवाहाटी
वासंती परशुरमन हैदराबाद
श्रुति ओहले भंडारा
अजंता दास गुवाहाटी
वासुदेव भूते बालाघाट

ऑन लाइन सेवा शुरु

सांस्कृतिक कार्यक्रम

ख्यातिलब्ध कलाकार

सौजन्य से
दैनिक भास्कर, जबलपुर
गुरुवार, 13 जनवरी 2011

महर्षि विद्या मंदिर परिसर में ज्ञान युग दिवस समारोह आयोजित

युवा जानें वेद पुराण को

सिटी रिपोर्टर | जबलपुर

आज के युवा वेद, पुराण और वैदिक जानकारियों से दूर होते जा रहे हैं, ऐसे में महर्षि विद्या मंदिर परिषद् द्वारा बच्चों को इस ज्ञान का प्रसार किया जा रहा है जो अपने आप में एक सराहनीय पहल है। उक्त विचार विधानसभा अध्यक्ष ईश्वरदास रोहाणी ने ज्ञान युग दिवस के मौके पर व्यक्त किए। महर्षि महेश योगी वैदिक विवि एवं महर्षि विद्या मंदिर परिसर लमती विजय नगर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से किया गया।

अतिथियों का किया स्वागत

विवि के कुलपति प्रो. भुवनेश शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। उपस्थित छात्रों एवं शिक्षकों का उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में ब्रह्मचारी डॉ. गिरिश चन्द्र वर्मा कुलाधिपति महर्षि महेश योगी वैदिक विवि एवं अध्यक्ष महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह, अध्यक्षता प्रो. रामराजेश मिश्र कुलपति रादुविवि, प्रो. भुवनेश शर्मा कुलपति महर्षि महेश योगी वैदिक विवि जबलपुर एवं आयुक्त जबलपुर प्रभात पराशर की उपस्थिति रही।

स्थान ग्रहण से हुई शुरूआत

ब्रह्मलीन परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी के जन्म दिवस को ज्ञान युग दिवस समारोह के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व स्मरण कर, इस वर्ष की सभी उपलब्धियों को अर्पित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में स्थान ग्रहण के साथ गुरु परम्परा पूजन के साथ ही मन्त्रोच्चारण, दीप प्रज्ज्वलन कर वैदिक पंडितों द्वारा वेद पाठ किया गया। इस मौके पर सम्पूर्ण भारत में स्थित महर्षि विद्या मंदिरों के उत्कृष्ट प्राचार्यों एवं छात्रों को सम्मान एवं पुरस्कारों से नवाजा गया। इस दौरान विवि के लिए बनाए गए सॉफ्टवेयर का उद्घाटन भी अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया। फोटो | केके

सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे खास

आयोजन के द्वितीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगा रंग प्रस्तुतियां दी गईं, जिसमें सभी महर्षि संस्थानों के स्कूली बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। सरस्वती वंदना के साथ शुरू हुआ सिलसिला, वेद गीत और कत्थक, भरत नाट्यम के साथ फ्यूजन गीत-संगीत के साथ बदस्तूर चलता ही रहा। छात्र-छात्राओं ने भी आयोजन में अपने बेहतर प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिया। इस अवसर पर आयोजन समिति महर्षि महेश योगी वैदिक विवि, महर्षि विद्या मंदिर समूह, जबलपुर, महर्षि वेद विज्ञान विश्व विद्यापीठम्, महर्षि विश्व शांति आंदोलन के सदस्यों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन किया नमिता पाठक ने, धन्यवाद ज्ञापन विवि के कुलपति अरविंद सिंह राजपूत ने किया।

E-Gyan Monthly News Letter

Reminder

Dear Readers,

I am happy to release this 20th edition of E-Gyan Monthly Digital News Letter. Previous editions of E-Gyan have been published and circulated amongst you. In every edition of E-Gyan I am requesting you to send news from your relevant field. But we are not receiving enough news. Please start sending the news in either Hindi or English. E-Gyan Monthly News Letter will be released in the first week of every calendar month. E-Gyan matter must be received by 15th of every month.

E-Gyan Monthly Digital News Letter will be circulated to all members, employees, well wishers and students of all Maharishi Organizations in India and also to millions of Meditators, Sidhas, Governors, leaders and devotees of Maharishi Global Organisations around the Globe.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
3. Present student strength course wise, subject wise, class wise, branch wise in different Maharishi Educational Institutions.
4. Announcement of any new course offering and its schedule with course details and venue.
5. Starting of new building construction, report on Bhumi pujan or vastu pujan or foundation stone ceremony.
6. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
7. Special achievement of any Maharishi Organisation.
8. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
9. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
10. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
11. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
12. Outstanding performance of ex-students.
13. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or Organisation.
14. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, website.
15. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
16. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
17. Launching of new product with details, availability, and price.
18. Details of products already in market.
19. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
20. Offering Vedic solution to any social problem.

21. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
22. Vedic celebration reports.
23. Excursion tour reports.
24. Corporate visit, corporate training etc.
25. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
26. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
27. Report on academic or commercial collaborations.
28. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
29. Report on monthly Initiations in TM, Sidhi course and Advance Techniques.
30. Report on activities of Maharishi Global Movement.
31. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, leaders, members, faculty, staff, students, meditators, Sidhas and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through email **(egyan@mahaemail.com and egyanmonthly@gmail.com)** as word document file (or in a CD to Dr. T. C. Pathak, Maharishi Centre for Educational Excellence Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462018). Hard copy should be neatly typed ("Times New Roman" font for English and "Devnagri" or "Chanakya" font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers.

Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports. Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it's readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit www.e-gyan.net web site.

With All the Best Wishes in Maharishi's Fourth Year of Invincibility – Global Ram Raj.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi

Dr. T. C. Pathak

For Editorial Board, E-Gyan Newsletter

Copyright © 2011 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan
All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, Phone: +91 755 4087351